

मन्त्र व यन्त्र MANTRA WA YANTRA
DPN 6719

Title :

Run. No. 7445

Cat. No. 11

Micro. No.

Subject मन्त्र Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19 x 9

Folios 11

Lines (in a page) irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

डा. कमलप्रकाशमल्ल

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dr. Kamal Prakash

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : यन्त्र YANTRA-11 Malla

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमो श्री दुर्गाय नमोस्तुते ॥ ॐ नमो श्री मंजुनाथाय नमोस्तुते ॥

ॐ नमो श्री दुर्गाय नमो स्तुते ॥ ॥ ॐ नमो श्री मंजुनाथाय नमो स्तुते ॥ ॥ ॐ ॥
ॐ नम्य श्री अनादि धर्म के दाहिनि वृत्ता बाहु विष्णु हाथे चौरंगि पतंगि
नाथनाभि मर्दिंद्र नाथ ॥ इंद्र इंद्र देवता पुत्रे वात सुखि देवता मधे इक्ष
विष्णादि नाथ ॥ श्री कमल मधे इक्षोर गोरख नाथ ॥ मने मंसा देवि ॥
आदिसक्ती उमार भैरवि ॥ पार्वति यि सोरि त्र्युवता वरि ॥ असुर संद
हारि त्रिदैते दानव ॥ द्रुपति दर निस्तुते काहि माता पार्वति ॥ तिनि भु

वनेष्वर्ध्वरिऔरधरेःकरधरेजोगिभोगिमुधपुरिदेविबुधेसे
रिसिधपुरदेविसिधेसेरिःनगरकोतदेविःजालपाकासमेरिना
कोसारदादेमुतिदेसदेविषीसठीजोगिनिपथचिमयेतकेदेविहं
गुराजमाताःजगतजननिःकनकतदेविःग्यासापुरतामदेविःतुसाराव
नथरेःकोकिलातदेविद्वारिकादेविरुकुमनिकनकारसेरधिदेवि
गुजरातदेवि॥महेसेरितिनिमुखदेविःअजनिंकनदेवि॥वर्जलो

गिनिःकरुणातिर्यदेवि॥विंदुवासिनिजारिषंददेवि॥माहाकाहि
रिविद्यानगरदेविःवनेसेरिःकरधकेदेविःचंद्रगतिकजरेवतेदे
वि॥माहाभैरविभैरातदेवि॥चौरभगवतिचौरमंदनादेवि॥भद्र
कालिनिहदिपादेविपरुमनिजवदिपदेवि॥जलकुल्लारिहिंमि
देविहमारिमंकासमंदनादेवि॥एकमनासौतवर्नरांमघरदेवि
मंगलासेरद्वारदेवि॥कंन्याकुल्लारिपृथिव्याउतपंनदेविरेनुका

५

मनहायेदेवि॥ नुराहिमा ताउज्या नगरदेवि हरसिधिवेसिहारक
तिदेवि॥ सर्वकृतदेवि माहां मायि जागे देवि हता ए निसिरकुंम
देवि॥ कालिका अथोरदेवि असलोजोहि देवि मा ता सिधे देवि॥ चंदि
का असा नग्रदेवि गुंमु कामाधू देसे देविसार निपोहिं करदेवि॥
काराहि गया देवि गुहे श्वरि परज देवि माहाथान॥ वानारसि देवि
चौरभगवति अजुध्या देवि असलोचनि पुरु सत्तम देवि माहा

निरूपानि ना अत्र गवह वंर्क सनातनं॥ यो न रूपं महाया न अस्मांगकाग
सिद्धिगि अस्वजं॥ उ न माह गवतं दलानुयाय विष्णु वगूरूप न मात्मन
वागदवाय न मस्तुत॥ उ न माह अक्रनाथ यजूदायनेला काडि पतय
जिलंदया य सनाटनाय न मस्तुत॥ वूर्णि अना॥ सिखायां पातु ग्वत्रु
वर्क नं सवदंत क॥ लाल रभ नक्रनायं वदंत दयालु वसुधन॥ वक्रग
नषया मिदा गर्हयो मिदु कर्म का॥ पाहि मांदल रभ नक्र वामद किनना

सि का ॥ १३ ॥ मुख ग्य न कु ना च व द ना र्थे व ध आ ष्ट क ॥ जि ह्वा यां पा उ
 ग्म न कु त ना न्या य नृ पू त्र कं ॥ १४ ॥ अ नू स या ग्मं कं थ कं पृ ष्ठ क ॥ वा म
 द जि न ह स्त व द न ग्म न कु पा हि मां ॥ १५ ॥ स न ना ह द य पा उ द न ग्म
 न कु व नं ॥ क द्या ना हि र मा द्यां उ उ न ग्म न कु पा हि मां ॥ १६ ॥ उ यो जं घा
 दि लिं ग नं पा उ ग्म न कु द न कं ॥ पा दो पा द नं व उ न ग्म न कु पा हि मां ॥
 १७ ॥ म ल का पा द प र्थ नं पा द न ल म ल कं उ न ग्म न कु पा उ मां

स व स ल नृ ॥ १८ ॥ दि ता लो य न आ का म पा दा त वि दि ग्म ष्ट क ॥ दि वा ना द्रो
 दि वा ता यां द ल ग्म न कु पा हि मां ॥ १९ ॥ उ ला अ ग्नि था न कु द्ध व स ल जा न वि
 स न क ॥ न कु न कु स दा द व द न ग्म न कु उ व नं ॥ २० ॥ म न्ना दि जं व नं त्र ष्ठं
 क ना का नि न्य कृ ति मां ॥ न कु न कु स द व द न ग्म न कु दे व नं ॥ २१ ॥ अ ग्नि पा र्थ
 ओ न स र्ण वा धु दू स ह य व न ॥ न कु न कु स डा द व द न ग्म न कु दे व नं ॥ २२ ॥
 त न पु न पि सा च ग्म कृ ष्णं द ह न वा द य ॥ दं कि नि कृ त्वा पा द ग्म न कु उ न

कं॥२३॥सर्गिणालहल्लोक॥यद्रयद्रंलवसिवंतंनुनकुतुग्वनकुं॥वन्
द्रयेवपातुमां॥२४॥उनमादवदवगंधं॥उंनमाटवधिनायकं॥उं
नमाग्नयकुनाथायदंलुद्रयनमानम॥२५॥नमाग्नयद्रूपाय॥नमा
जकुल्यत्रुपिन॥नमासुनडांनाथायनमादनाद्रुयनमानम॥२६॥नमासा
मसात्रूपाय॥नमाइर्धवनत्रुपिन॥नमासुनडांनाथायनमापादुस
य॥२७॥नमाअज्ञादिउवायनमाअदिसत्रुपिन॥नमावादात्रूपा

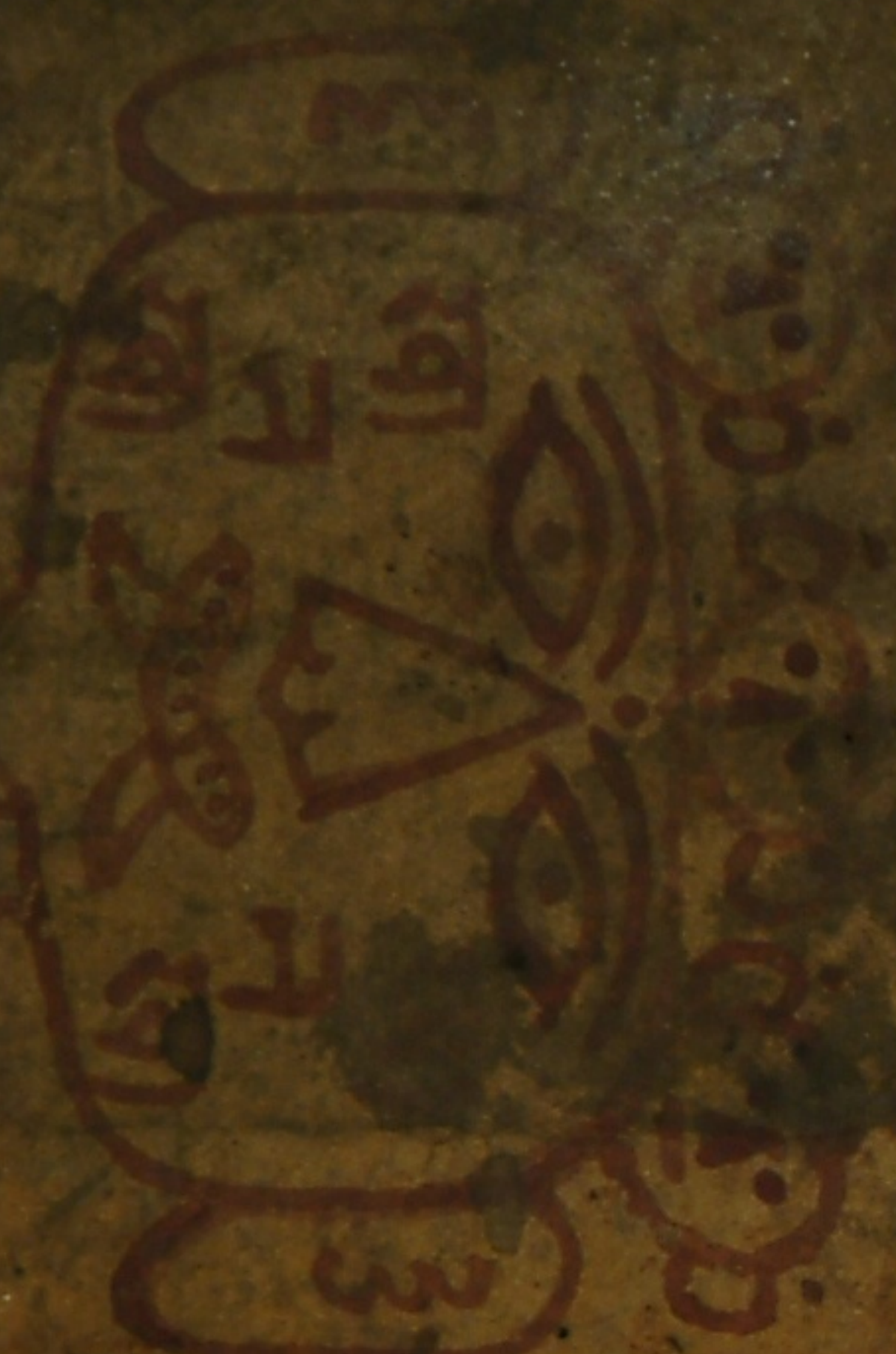
यनमासिद्धांनत्रुपि॥२८॥नमानिर्मलत्रूपायनमाविर्मयवापिन
नमाविदूतात्रूपायनमाऊनिसत्रुपिन॥२९॥नमावात्रूपायनमानि
त्यकर्मसात्रुपिन॥नमाविग्वसत्रूपायनमासर्वसात्रुपिन॥३०॥नमाअ
नंतत्रूपायनमावाधवत्रुपिन॥नमासकलसत्रूपायनमावर्जवत्रुपि
न॥३१॥नमाकर्मवनासायनमापापपूज्यसिन॥नमावासात्रूपायनमादि
नमत्रुपि॥३२॥नमायिष्टुनासायनमादेलांनुकायव॥नमाअधर्मना

पिन॥३३॥नमानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय
नमानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय॥३४॥नमासस्मिन्विद्राय॥
नमासस्मिन्विद्राय॥नमासस्मिन्विद्राय॥३५॥न
मानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय॥३६॥न
मानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय॥३७॥न
मानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय॥३८॥न
मानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय॥३९॥न
मानिष्कर्मत्रयायनमाकंमीडकाय॥४०॥न



15

10



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

5



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

0

CMTS.

5

10

15

20

25

[illegible]

दोन जगमलि न कय कं लस सयत जय वै मय कं नि सा
 पुन मय जय वै न क व स ज ना ॥ ३१ ॥ उं जा व नि व दान ना
 दू नि र वा द ज क थ न वि न नि न क म नि जा स ॥ ३२ ॥ य य रु द्वा
 वा न न द रु या ॥ ३३ ॥ उं स मि स य उ दृ म नू त म्वा न्वा के वा ॥ ३४ ॥
 न जा रु ॥ ३५ ॥ म न जं सि व न ज य वै मी सा या नो म दि थ रु क व के व स
 उं व म न वं न्ध वि न व न्ध ॥ ३६ ॥ य द न्ध सि दि गु नू सा हा ॥ ३७ ॥ वा
 न रु स य ज र व नि न वा न नि रु वि व नू व स नो म दि थ रु न मी सा व स य
 म ज न न म य म रु य क रु ला ॥ ३८ ॥ उं स न र म हि ता नि सा न म न
 सा रु ॥ ३९ ॥ ले र व ज य वै नान के सा न को म द व या के थ रु न

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25



15

10

...तः ददितुं नमिष्ये विनसाजलवटवैदयननिममसुका
 ...नैव वनायसाहा ॥ यडासा नः हाकूहउयाहिः सुउ विनाऊविथ
 ...ननियसाहलंदह विमकुल ॥ ॥ ॐ नमसिद्धिगुरुभ्राग्या
 ...सिद्धि सिंधूनायमनमसावसयनहनायकनकनहंरुट्सा
 ...पूजासिंक्रुपांलमसानयानलितापकोयमसानसपूजाः
 ...हंगामाल ॥ ॥ ॐ मूलकैकसुनरुट्साहा ॥ अंगलवलः ग्रीष्म
 ...दः सुखमनः सिलः नंगनाऊः हिमनाऊः धूपिभूः ॐ कासाधल
 ...कृदिउमलं धूपाखालयनः यनासिननाकपूयमलनंऊयथाग
 ...सुपूजाभूतमरिने कय कय ॥ नववसदिनननिऊय

5

...नयारुल्लसुक्कासपनूजवसाकाखवसुखवसाकाऊ ॥ ॥
 ॥ मिखासाका ॥ अयासागहासाविस्तिजनयासासथसंनूनावपय
 ॥ ॥ भूगववया ॥ मूहाविदहाउइसुवनावमिषसथन ॥ ॥ मि
 ...मूववनन्यागववया ॥ कसुपूयलसवनउय ॥ ॥ कससक
 ...ववया ॥ खात्रमिसुहयावधननिनरीय ॥ कसकिंजावया ॥ ॥
 ...नूहमिखासाकया ॥ देगकहाकूकनकोनवसुउवसाकयाखव
 ...सुसुघायखडयाउवकसुसुघाय ॥ ॥ न्याकयामीनयूका ॥ अवन
 ...दिनहाकावहनदुखोदमूखअवनमूनवताकर्तेशलागसाय

15



कं व ग्वय कर्न हा न खा
 य प ना वी स ख ज स यो
 स सु क या क स ता थ

१	१	१	१०
११	१	४	१
२	१	२	१
४	२२	१	३

ब्रह्म गंधन ख ज स वा स्य
 वंता सी स प न स ग स्य
 कू द ग या पि नी पि का
 य॥



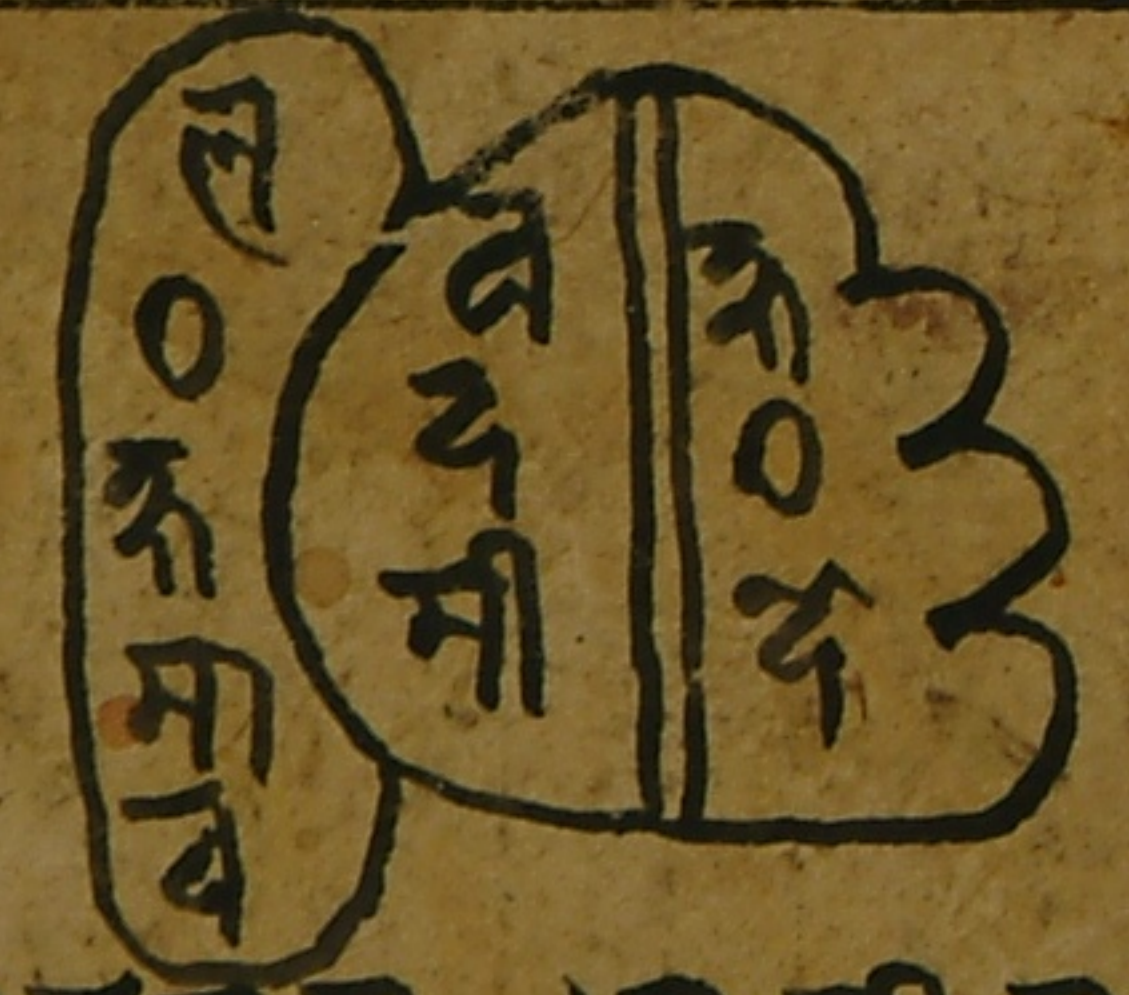
कू क म ग्व न व न ख ज
 यो स्य थू द ग य मि सा वि
 यो म जिय क॥

10

इ इ पा त ल या॥ का ख रु हा दि स्य पा य॥ ८६०३० ॥



कं व ग्वय कर्न हा न खा
 य प ना वी स ख ज स यो
 स सु क या क स ता थ



निय ह न स र स ही न वा
 या व म्सा न स थू द ता थ
 कू स कू न म न न श ला॥



कू क म ग्व न व न ख ज
 यो स्य थू द ग य मि सा वि
 यो म जिय क॥

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25

बूढनयन॥ ॥ गन देया॥ चैगानक उ कूंकुं ट या ता नि ह्यं कूकनक
नयन कोखाय कं॥ ॥ अवन पित के धय॥ अवन रु न गि खे १ ना ब कू
पानन के दाय थद गो न कं॥ ॥ उसन व ग्य या॥ एक उ वे द मि जी ल
अमून ग जि या न रू कू अय पू नू न या क न क॥ ॥ अथिन या॥ ग ह न
ला ज रा उ सं ग य॥ ॥ इरु या ग न द न य॥ क क उ हा सो ध न दि स य
॥ ॥ का सु खा सु या॥ सु ध पि य नि द व द नू हि कू क न ख स हा स ता द के
॥ ॥ हि यो रा क या॥ उ म य वा न क नि य या ना व न दि स गान॥ ॥
स वा न ना य॥ द मि वृ ह स्य नि वा न ना कू कू उ गु नि दि स ता द न॥

अथिन य ० ३०